The Himachal Times
31-12-2020

FRI holds Training programme on extraction of essential oils

DEHRADUN, DEC 30 (HTNS) A one day training programme on extraction of essential oil from such oil bearing plants was organized by FRI, Dehradun in collaboration with Jyoti Marwah, a progressive farmer of Mussoorie.

The training was imparted by Dr Vineet Kumar, Scientist-G and Principal Investigator, Chemistry and Bioprospecting Division, FRI and his team along with Jyoti Marwah.

The farmers were trained to carry out isolation of essential oil from aromatic crops. As a case study, essential oil was extracted from Cinnamomum Camphora (commonly known as Kapoor tree) using an efficient Field Distillation Unit in the farmer's field of Jyoti Marwah. Dr Vineet Kumar informed that this initiative is a part of the project funded by the Government of India's Department of Science and Technology, New Delhi. The aim of the training is to motivate the farmers to grow essential oil bearing crops so as to aid in income generation. Kehkashan Naseem, DFO Mussoorie Forest Division explained the importance of such trainings and their unusual benefits to the farmers. She also elaborated in detail about the importance of essential oil bearing crops. The local farmers participated in the training and learned the basics of essential oil extraction. Jyoti Marwah motivated the local farmers by apprising the farmers about the uses and benefits of essential oil in various sectors. She also told that some of the essential oil bearing crops can be grown in un-used spaces as side walls, thereby utilizing the area.

Dr Pradeep Sharma, Ashwani Kumar, Sushil Bhattarai of Forest Research Institute and Ashutosh along with Forest Rangers of Mussoorie Forest Division were present during this training.

Shah Times
31-12-2020

सुगंधित तेल निकालने का दिया प्रशिक्षण

■ वन अनुसंधान संस्थान देहरादून ने आयोजित किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के तत्वावधान में प्रगतिशील किसान ज्योति मारवाह, दुग्गल विला, मसूरी के यहाँ सुगंधित तेल युक्त पादपों से सुगंधित तेल निकालने का प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा. विनीत कुमार, वैज्ञानिक तथा परियोजना अन्वेषक, डॉ. प्रदीप शर्मा, रसायन विज्ञान, जैव पूर्वेक्षण प्रभाग, एफआरआई के दल एवं ज्योति मारवाह ने पेड़ की पत्तियों तथा शाखाओं से सुगंधित तेल निकालकर उस तेल को अलग करने की विधि के बारे में बताया व सिखाया।

मसूरी वन प्रभाग की डीएफओ कहकशां नसीम ने किसानों को इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता तथा उपयोगिता के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के दौरान डा. विनीत कुमार ने बताया कि यह परियोजना भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रभाग, नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित की गई है, जिसका ध्येय किसानों को सुगंधित तेल वाले पौधे उगाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा इससे सुगंधित तेल निकालकर अपनी आजीविका में बढ़ोतरी करना है। इस प्रशिक्षण में किसानों ने अति उत्साह से प्रतिभाग किया एवं तेल निकालने की बारीकियों को समझने का प्रयास किया। कार्यक्रम में ज्योति मारवाह ने अपने व्याख्यान में सभी कृषकों को सुगंधित तेल युक्त पादपों को उगाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही यह भी बताया कि ऐसे कई पादप किसान अपनी कृषि भूमि के अनुपयोगी स्थानों में उगा सकते हैं, जैसे कि खेत की मेढ़, साईड वाल इत्यादि। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कई किसानों ने प्रतिभाग किया तथा कार्यक्रम में अश्वनी कुमार, सुशील भट्टाराई, अनिल कुमार, आशुतोष एवं मसूरी वन प्रभाग के वन रक्षक भी मौजूद रहे।

Amar Ujala
1-1-2021

पहल | वन अनुसंधान संस्थान परिसर में प्रयोगशाला स्थापित, किसानों की बढ़ेगी आर्थिकी

सुगंधित तेल का उत्पादन सीखेंगे किसान

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तराखंड समेत देश के तमाम राज्यों के किसान सुगंधित तेल के गुणों से युक्त पेड़, पौधों का अधिक से अधिक उत्पादन करने के साथ ही सुगंधित तेल निकालकर अपनी आर्थिकी को सुधार सकें, इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से पहल की गई है। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों को जिम्मेदारी सौंपी है। वैज्ञानिक किसानों को सुगंधित तेल के पौधों के उत्पादन और उनसे तेल निकालने के गुर सिखाएंगे।

वन अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विनीत कुमार के मुताबिक सुगंधित तेलों की देश, दुनिया में बड़ी मांग है। दवाइयों के साथ ही विभिन्न उत्पादों में सुगंधित तेलों का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन देश में उतने सुगंधित तेल का उत्पादन नहीं हो पा रहा है जितने की जरूरत है। ऐसे में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने सुगंधित तेलों के अधिक से अधिक उत्पादन पर जोर दिया है। डॉ. विनीत के मुताबिक किसान लेमनग्रास, गुलाब, लैवेंडर, रोमन व जर्मन कैमामाइन जैसे सुगंधित तेलों से युक्त पेड़-पौधों का अधिक से अधिक उत्पादन कर अपनी आर्थिकी सुधार सकते हैं। बताया कि किसानों को सुगंधित तेल के गुणों से युक्त पेड़-पौधे के अधिक से अधिक उत्पादन की जानकारी देने के साथ ही सुगंधित तेलों को निकालने की प्रक्रिया से रूबरू कराने के लिए वन अनुसंधान संस्थान परिसर में प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है।

कपूर के पेड़ से तेल निकालने के गुर सिखाए

अनुसंधान संस्थान की ओर से मसूरी में कार्यशाला का विशेष आयोजन किया गया। इसमें डॉ. विनीत कुमार की अगुवाई में वैज्ञानिकों की टीम ने कपूर के पेड़ की पत्तियों और शाखाओं से सुगंधित तेल निकालने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. प्रदीप वर्मा, किसान ज्योति मारवाह, प्रभागीय वन अधिकारी कहकशा नसीम, अवनी कुमार, सुनील भट्टराई, अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।

The Hawk
31-12-2020

FRI Organises One-Day Training Programme On Extraction Of Essential Oil From Essential Oil Bearing Plants

Dehradun (The Hawk): A one day training programme on extraction of essential oil from essential oil bearing plants was organized by FRI, Dehradun in collaboration with Mrs. Jyoti Marwah, a progressive farmer of Mussoorie. This training was imparted by Dr. Vineet Kumar, Scientist-G and Principal Investigator, Chemistry & Bioprospecting Division, FRI and his team along with Mrs. Jyoti Marwah. The farmers were trained on isolation of essential oil from aromatic crops. As a case study essential oil was extracted from Cinnamomum camphora (commonly known as Kapoor tree) using an efficient Field Distillation Unit in the farmer's field of Mrs. Jyoti Marwah. In his speech, Dr. Vineet Kumar told that this initiative is a part of the project funded by Government of India Department of Science &Technology, New Delhi with the aim of providing training to farmers so that they are motivated to grow essential oil bearing crops as it would be helpful in their income generation. Smt. Kehkashan Naseem, DFO of Mussoorie Forest Division explained the importance of such trainings and their unusual benefits to the farmers. She also elaborated in detail the importance of essential oil bearing crops. In this training the local farmers participated enthusiastically and learned the basics of essential oil extraction. In her speech Mrs. Jyoti Marwah motivated the local farmers by telling them the uses and benefits of essential oil in various sectors. She also told that some of the essential oil bearing crops can be grown in unused spaces like side bunds, side walls etc. thereby utilizing that area also. Dr. Pradeep Sharma, Sh. Ashwani Kumar, Sh. Sushil Bhattarai of Forest Research Institute and Sh. Ashutosh along with Forest Rangers of Mussoorie Forest Division were also present during this training.